भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 601

जिसका उत्तर 03 दिसंबर, 2025 को दिया जाना है

कोयला खनन विकास और उत्पादन समझौते

601. श्री कृपानाथ मल्लाहः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा में मछकाटा, कुडानाली लुबरी और सखीगोपाल-बी काकुरही कोयला खदानों के लिए हाल ही में निष्पादित कोयला खनन विकास और उत्पादन समझौतों के अपेक्षित आर्थिक प्रभाव क्या हैं; और

(ख) कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सरकार के लक्ष्य में ये समझौते किस प्रकार योगदान देंगे?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : दिनांक 05.09.2024 को मछकाटा (संशोधित), कुडानाली लुबरी और सखीगोपाल-बी काकुरही कोयला खानों को क्रमश: एनएलसी इंडिया लिमिटेड, गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमडीसी) और तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन (टीएएनजीईडीसीओ) को सफलतापूर्वक आवंटित किया गया है।

कुडानाली लुबरी और सखीगोपाल-बी काकुरही आंशिक रूप से अन्वेषित ब्लॉक हैं, जबकि मछकाटा (संशोधित) कोयला ब्लॉक पूर्ण रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉक है, जिसमें 1525 मि.ट. भंडार मौजूद है और जिसकी पीआरसी 30 एमटीपीए है, जिससे ~2,991 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की अपेक्षा है और प्रचालन पर ~4,500 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा।

(ख) : मछकाटा (संशोधित) कोयला खान की पीक-रेटेड क्षमता 30 एमटीपीए है जबकि अन्य दो खानें आंशिक रूप से अन्वेषित कोयला खान हैं। एक बार प्रचालनरत होने के बाद, इन खानों से देश द्वारा कोयले के आयात को कम करने की अपेक्षा है जिससे इसे घरेलू रूप से उत्पादित कोयले से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

****